लखनऊ

जागरण सिटी

दैनिक जागरण | लखनऊ, 15 दिसंबर 2016 | www.jagran.com

ऊर्जा का बचाव ही उत्पादन है

- दि इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स ने मनाया ऊर्जा संरक्षण दिवस
- विभिन्न वक्ताओं ने रखे विचार दिया ऊर्जा सरंक्षण पर जोर

जागरण संवाददाता, लखनऊ : ऊर्जा का संरक्षण, ऊर्जा का उत्पादन है। संरक्षण का यह मतलब नहीं कि सेवा में कमी लाई जाए बल्कि दुरुपयोग न होने दिया जाए। यह बात मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के निदेशक (तकनीकी) एसके वर्मा ने बुधवार को ऊर्जा संरक्षण दिवस के मौके पर दि इन्स्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स सभागार में आयोजित गोष्ठी में कही।

उन्होंने कहा विद्युत दक्षता से भी ऊर्जा का संरक्षण किया जा सकता है। जैसे कि विद्युत, ऑटो, कृषि सेक्टर में अच्छे उपकरणों का उपयोग किया जाए। हालांकि अच्छे उपकरणों की कीमत ज्यादा होती है, लेकिन एक वर्ष में ही बिजली की बचत से पैसा वसूल हो जाता है। इसके साथ ही पर्यावरण दूषित होने से बचता है। उन्होंने कहा कि सिर्फ दिवस न मनाया जाए बल्कि ऊर्जा संरक्षण के उपायों का सोशल मीडिया, स्कूलों आदि में व्यापक प्रचार किया जाए। लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रोफेसर ऊषा बाजपेई ने ऊर्जा संरक्षण के विभिन्न उपायों के बारे में बताया।

साधारण बल्ब की जगह सीएफएल, एलईडी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। संस्था के अध्यक्ष बीआर सिंह ने कहा कि अधिक ऊर्जा की खपत करने वालों पर टैक्स लगना चाहिए, जिससे दुरुपयोग को रोका जा सकेगा। अधीक्षण अभियंता सीपी यादव ने ऊर्जा संरक्षण के उपायों के बारे में जानकारी दी। गोष्ठी का संयोजन संस्था के पूर्व मानद सचिव जेएस मिश्रा ने किया। इस मौके पर आरके त्रिवेदी व इंजीनियर मौजूद रहे।